708. *[Transferred to 5th March, 1993]*

परली बिजली घर को कोयले की सप्लाई

709. **श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे:** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि महाराष्ट्र स्थित परली बिजली घर को उसके आवश्यकतानुसार कोयले की पर्याप्त मात्रा में सप्लाई नहीं की जा रही है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) इस बिजली घर को कोयले की कुल आवश्यकता कितनी है और इस समय इसे वास्तव में कितनी मात्रा में कोयले की सप्लाई की जा रही है;

(घ) क्या यह सच है कि कोयले की कम सप्लाई की वजह से इस बिजली घर की विद्युत उत्पादन क्षमता नहीं बढ़ी है तथा इसके 210 मेगा वाट के विद्यमान संयंत्र को विवश होकर बन्द करना पड़ा है; और

(ङ) यदि हां, तो इस बिजली घर की कोयले की कुल आवश्यकता को पूरा करने हेतु सरकार कौन-कौन से कदम उठाने का विचार रखती है ताकि इसकी विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाई जा सके और विद्यमान संयंत्रों को चालू रखा जा सके?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा): (क) से (घ) महाराष्ट्र राज्य विद्युत बोर्ड के परली तापीय विद्युत गृह की चालू वर्ष में कोयले की आवश्यकता और आपूर्ति को नीचे दर्शाया गया है:

(000 टन में)

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा वर्ष 92-93 के लिए निर्धारित की गई कोयले की आवश्यकता	अप्रैल, 92 — जनवरी, 93 की अवधि के दौरान यथा अनुपात में आवश्यकता	अप्रैल, 92 — जनवरी, 93 के दौरान को० इ० लि० और सिं० को० कं० लि० से कोयले का प्रेषण
2880	2400	1505

इस विद्युत केन्द्र को कोयले की आपूर्ति सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लि० द्वारा स्वीकृत संयोजन को मूर्तरूप नहीं दिए जाने के कारण और इसकी उतराई की समस्या के कारण प्रभावित हुई है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा प्राप्त सूचना के अनुसार विद्युत केन्द्र ने अप्रैल से जनवरी, 93 की अवधि के दौरान कोयले की कमी के कारण उत्पादन में 1014 मिलियन यूनिटों की कमी हुई।

(ङ) कोयला कंपनियों को विद्युत गृहों को कोयले की आपूर्ति बढ़ाने की सलाह दी गई है। किंतु वास्तविक प्रेषण विभिन्न घटकों पर निर्भर करता है, जिसमें विद्युत गृहों द्वारा कोयले की उतराई, रेलवे वैगनों, आदि की उपलब्धता, शामिल है। विद्युत गृहों को कोयले की आपूर्ति किए जाने के मामले में उच्च प्राथमिकता दी जाती है। विद्युत गृहों को की जाने वाली कोयले की आपूर्ति पर नियमित रूप से निगरानी रखी जाती है तथा अपेक्षानुसार इसमें सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है।

Pending Coal Mining Projects

710. SHRI SHIV PRATAP MISHRA: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) what is the number of coal mining projects which are pending with Government for approval at present; and

(b) by when these projects would get sanction from Government?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) and (b) Presently 27 investment proposals on new coal mining projects/expansion schemes received from the coal companies are at various stages of appraisal and scrutiny. In respect of 18 of these proposals, Advance Action Plans have been approved to enable the coal companies to undertake essential preliminary activities like land acquisition, rehabilitation of oustees, forestry and environmental clearances, development of access roads and carrying out survey for power supply etc. Investment approvals on coal projects are dependent on factors like availability of land, adequate fund availability, techno-economic feasibility, environmental and forestry clearances etc.

Import of Machinery by CIL

711. SHRI SUNIL BASU RAY: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) what is the total number of machineries/appliances imported during 1992 by Coal India Limited and its subsidiaries;

(b) what are the payments made on account of (i) landing charges, (ii) duty, (iii) additional duty, (iv) any other taxes for these imports in 1992;

(c) what was the foreign exchange involved; and

(d) whether these imports were essential because of non-availability of